कोरकू

हिंदाड़ी

एक चित्रकथा
कोरकू भाषा में

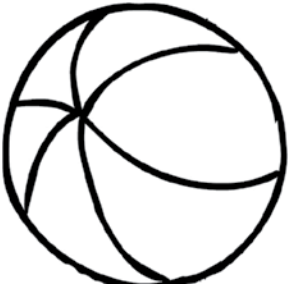

चित्र: वाग्मी राघव

ORACLE

हिंदाड़ी
सैर (कोरकू)
Sair (KORKU)

चित्र: वाग्मी राघव

हिन्दी से कोरकू अनुवाद: जानकी अखण्डे, प्रेबती कास्टे, रायसिंग बारस्कर
संयोजन: आकाश मालवीय, अशोक हनोते, हेमराज मालवीय, खेमप्रकाश यादव, निदेश सोनी, राजेन्द्र देशमुख, सुनील हनोते, रामकुमार सरोज
सम्पादकीय व उत्पादन सहयोग: इन्दु श्रीकुमार व कमलेश यादव

ORACLE ओरेकल के वित्तीय सहयोग से विकसित

यह किफायती संस्करण हिन्दी व गोंडी में भी उपलब्ध है।

पहला संस्करण: जनवरी 2025 / 1000 प्रतियाँ
कागज़:100 gsm नेचुरल शेड मेपलिथो पर प्रकाशित
ISBN: 978-81-19771-75-2
मूल्य: ₹ 10.00

प्रकाशक: एकलव्य फाउंडेशन
जमनालाल बजाज परिसर,
जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)
फोन: +91 755 - 297 7770, 71, 72
www.eklavya.in/books@eklavya.in

मुद्रक: आर के सिक्युप्रिंट प्रा लि, भोपाल फोन: +91 755 2687 589

मिया दिन मिया छाता ।
मिया गेंदों नो मिया डब्बा
हिंदाड़ी ओलोटकन ।

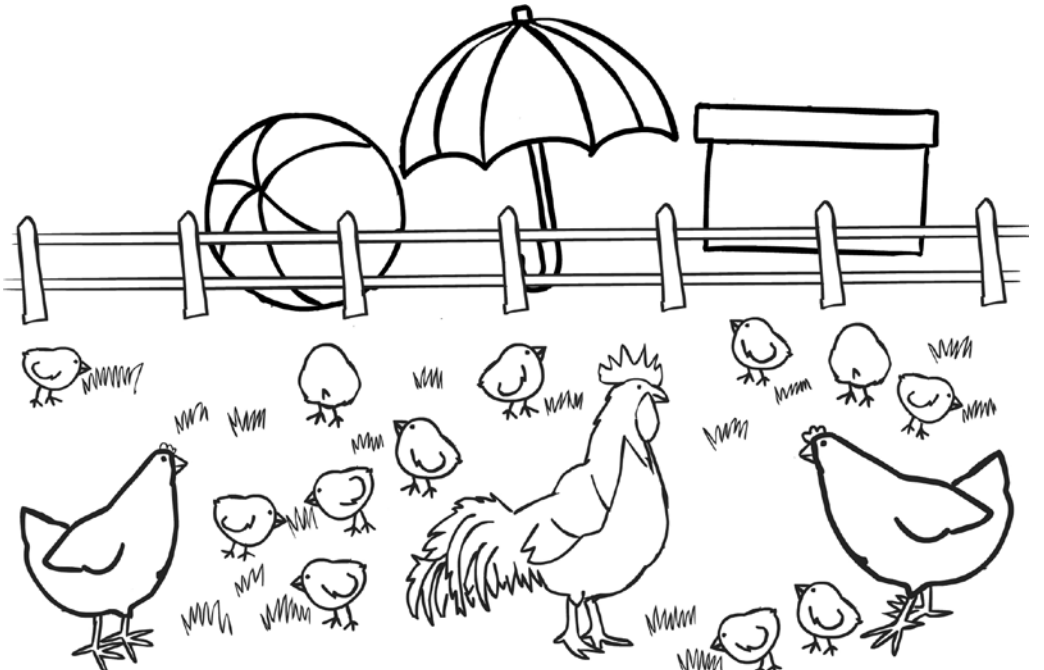

कोरान दा हायन मेके छाता सबकु के उंगुर ये कु ।

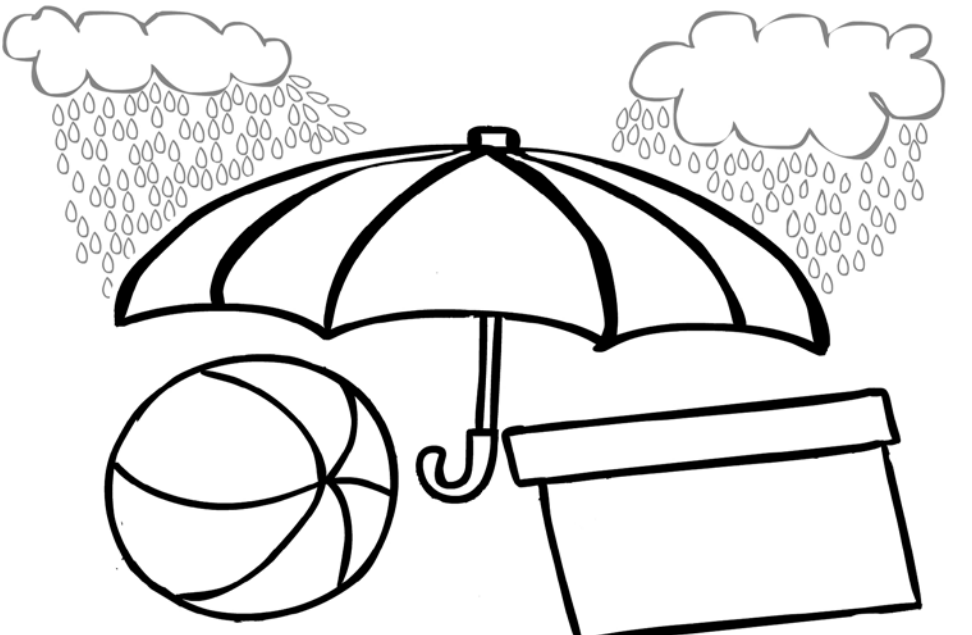

सुतून मिया गाडा घाताकन ।

छाता नो डब्बा गेंदों गा
लियन सुबांग ते दूसरा
अंगोन आदिर ये ।

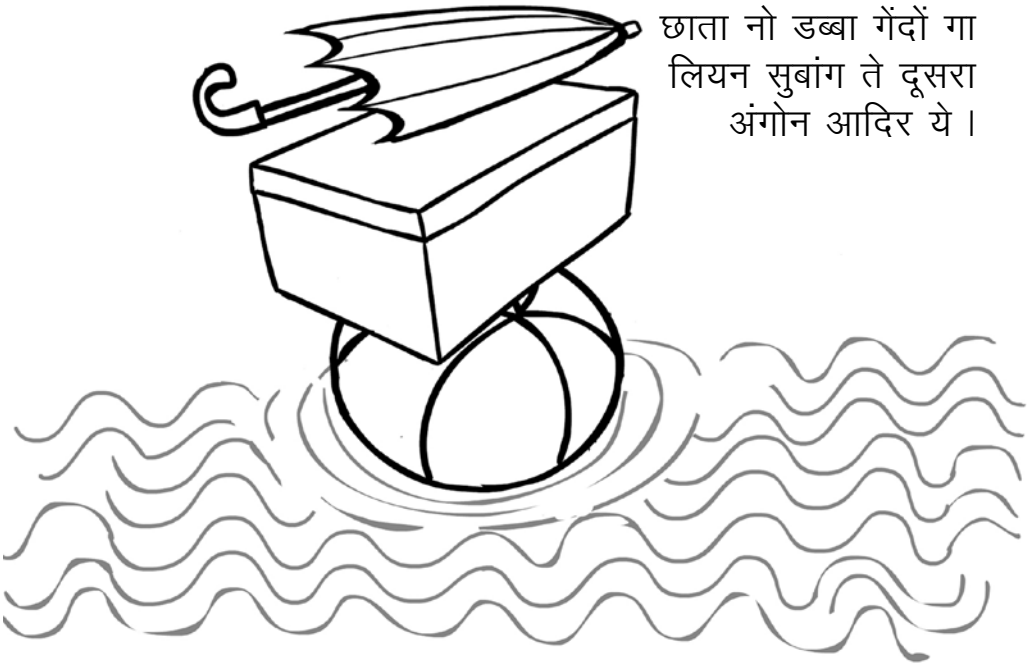

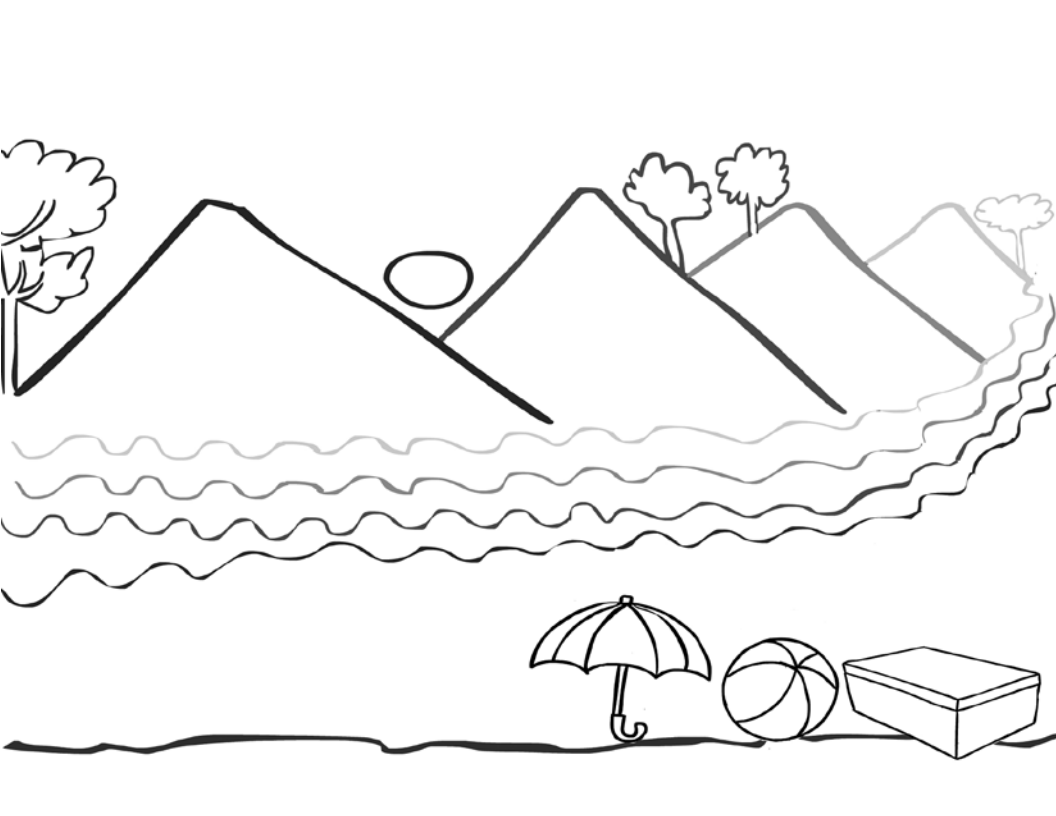

राती यन ।

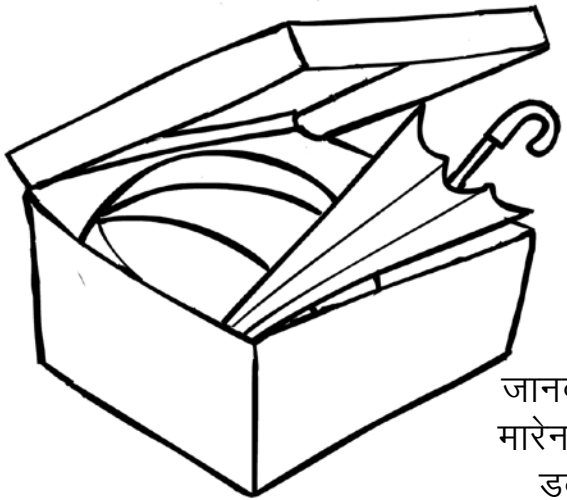

जानवर कु गा हिग्रा
मारेन छाता नो गेंदों
डब्बा गा भीतरान
गीतीय यन ।

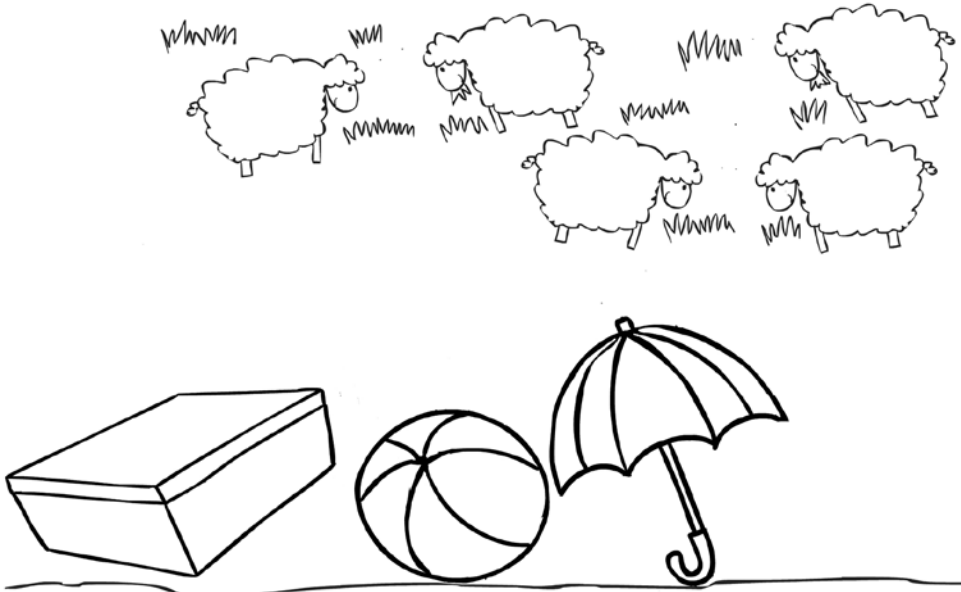

दूसरा दिना दिकू फिरते सुतून बढ़ावयन ।

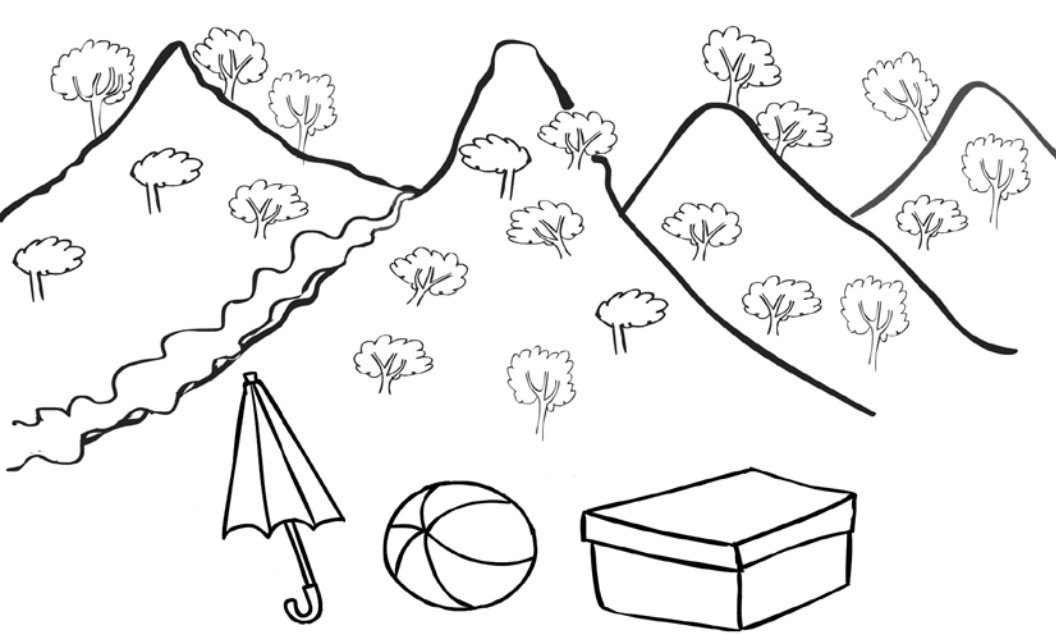

अफखोर का संद्रा-संद्रा मिया ऊँचा टेकड़ान पंडेई यन ।

गेंदों हनवन-भोत
जोरते दा ततांकन
। डब्बा नो छाता
हनवन-लेकिन इतान
चोइते सने कीयो?

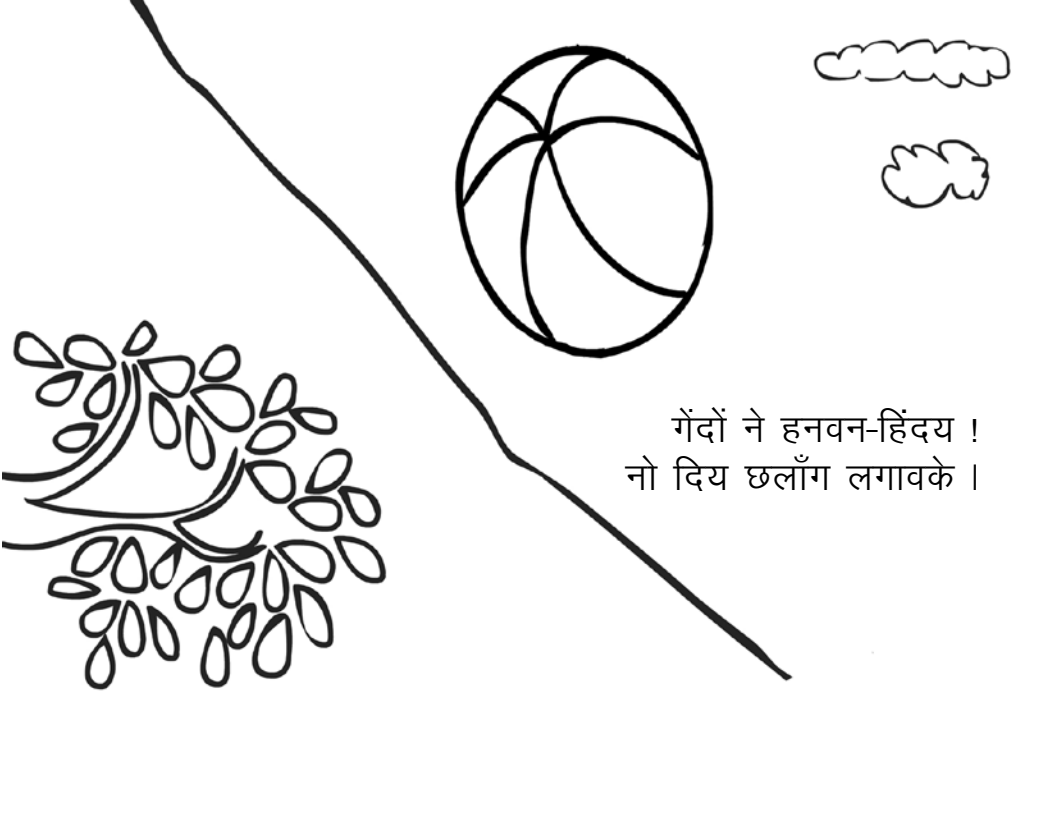

गेंदों ने हनवन-हिंदय !
नो दिय छलाँग लगावके ।

दिजा तावन छाता
सडूबकन नो छाता
तावन डब्बा ।

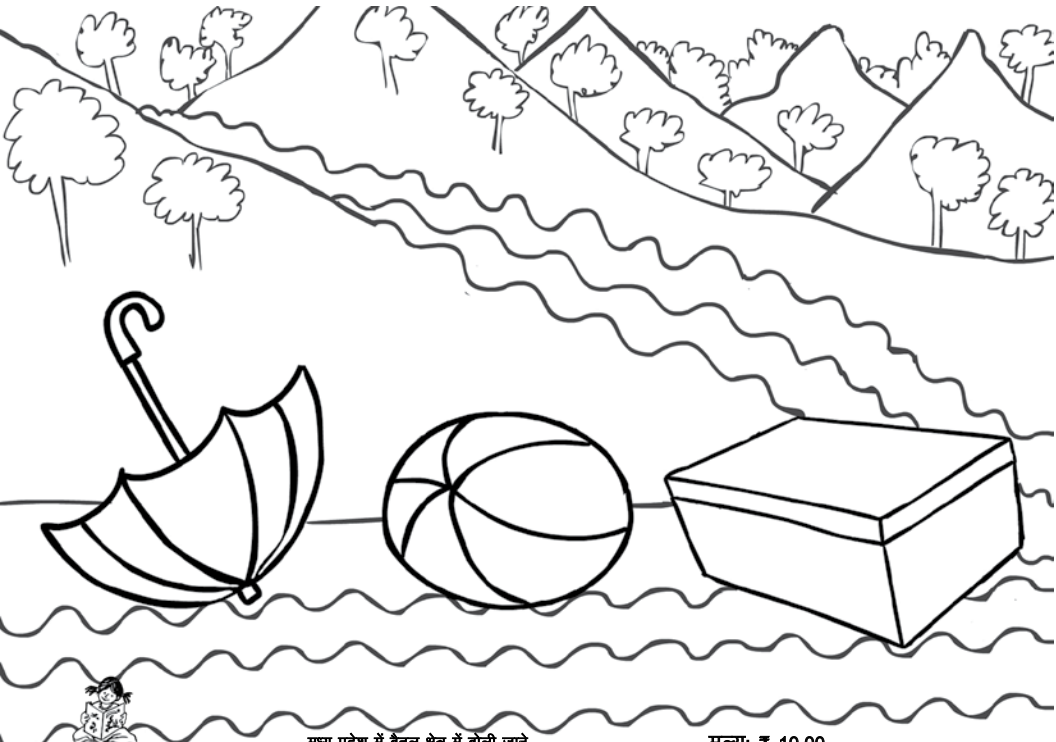

एकलव्य

मध्य प्रदेश में बैतूल क्षेत्र में बोली जाने
वाली कोरकू भाषा पर आधारित

मूल्य: ₹ 10.00
ISBN: 978-81-19771-75-2

ORACLE